



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 387] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 3, 1977/अग्रहायण 12, 1899

No. 387] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 3, 1977/AGRAHAYANA 12, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 3rd December 1977

G. S. R. 730(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts samples of excisable goods mentioned in Column (1) of the Table hereto annexed from the whole of the duty leviable thereon, subject to the imitation and conditions laid down in the corresponding entries in Columns (2) and (3) thereof.

TABLE

Description of goods removed as samples	Limitation with regard to number/size/weight/volume, if any	Conditions]
(1)	(2)	(3)
Footwear	Not exceeding 3 pairs or 3 odd pieces of each variety.	Drawn for soliciting business, within the country, provided that each sample is punched in the sole.

[No. 336/77-CE]

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

केंद्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1977

सा० का० नि० 730(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित उत्पाद-शुल्क्य माल के नमूनों को उसके उक्त सारणी के स्तम्भ (2) और (3) की तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों में अधिकृत सीमाओं और शर्तों के अधीन रहते हुए, उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण उत्पाद-शुल्क से छूट देती है।

सारणी

नमूने के तौर पर हटाए गए माल का वर्णन	संख्या/आकार/भार/परि- माण की बाबत सीमाएं, यदि कोई हो	शर्त
(1)	(2)	(3)
जूते-चप्पल (फूट-वियर)	3 जोड़े से या प्रत्येक किस्म के 3 पीस में अनधिक	देश के भीतर व्यापार का बढ़ावा देने के लिए परन्तु प्रत्येक नमूने के तलबे को छिद्रित (गूँज) किया जाना चाहिए।

[स० 336/77 के०उ०शु०]

G.S.R. 731 (E) —In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government, being satisfied that the recent cyclones in the States of Andhra Pradesh and Tamil Nadu and Union Territories of Pondicherry and Lakshadweep, were in the nature of a major calamity, hereby exempts patent or proprietary medicines, cotton fabrics and woollen fabrics falling respectively under Item Nos 14E, 19 and 21 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), donated, or purchased out of the cash donations, for the relief of the people affected by cyclones in the said States and Union Territories, from the whole of the duty of excise and additional duty of excise leviable thereon; provided that—

- it is certified by the manufacturer of such goods on the relevant clearance documents that the goods are intended to be donated for the relief of cyclone affected people in the said States and Union Territories, without discrimination on the grounds of religion, race or caste or any of them and distributed free and without making any charge thereof;
- the goods are sent directly from the factory of manufacture to relief agencies duly approved by the said States and Union Territories;

- (c) the manufacturer produces, before the Central Excise Officer-in-Charge of the factory within two months of the date of removal of the goods from the factory or such extended period as the Collector of Central Excise may allow, a certificate from the District Collector or Deputy Commissioner in the said States or Union Territories that the goods have been distributed free and without making any charge therefor among the cyclone affected people in the said States or Union Territories without discrimination on the grounds of religion, race or caste or any of them.

2. This notification shall remain in force up to and inclusive of the 2nd day of March, 1978.

[No 337/77-CE]

A. S. SIDHU, Under Secy.

सा० का० नि० 731(अ).—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व के माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि आन्ध्र प्रदेश और तमिलनाडु के राज्यों और पाण्डिचेरी और लक्षद्वीप के संघ राज्य-क्षेत्रों में हाल ही का तूफान एक महान संकट के रूप में था, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 10) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 14इ, 19 और 21 के अन्तर्गत सम्मिलित पेट्रेण्ट अथवा स्वात्वाधीन औषधियों, सूती फैब्रिकों और ऊनी फैब्रिकों को, जो उक्त राज्यों और संघ राज्य-क्षेत्रों में तूफान पीड़ित व्यक्तियों की सहायता के लिए दान दिए जाए अथवा दान दिए गए धन से तैय किए जाए, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क और अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है :

परन्तु यह तब जब —

- (क) ऐसे मालों के विनिर्माता द्वारा सुसंगत निकासी दस्तावेजों पर यह प्रमाणित किया जाए कि वह माल उक्त राज्यों और संघ राज्य-क्षेत्रों में तूफान पीड़ित व्यक्तियों की, धर्म, मूल वंश, जाति या उनमें से किसी के आधार पर भेद-भाव के बिना, सहायता के लिए आशयित है तथा उसका वितरण मुफ्त और बिना किसी प्रभार के किया जाएगा ,
- (ख) उक्त माल विनिर्माण के कारखाने से सीधे ही ऐसे सहायता अभिकरणों को भेजा जाता है जो उक्त राज्यों और संघ राज्य-क्षेत्रों द्वारा सम्यक रूप से अनुमोदित है ,
- (ग) विनिर्माता, कारखाने के प्रभारी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी के समक्ष, माल के कारखाने में हटाए जाने की तारीख से दो मास के भीतर अथवा ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर द्वारा अनुज्ञात की जाए, उक्त राज्यों या संघ राज्य-क्षेत्रों में जिला कलक्टर, उप-आयुक्त का इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करता है कि माल का वितरण मुफ्त और बिना किसी प्रभार के उक्त राज्यों या संघ राज्य-क्षेत्रों में तूफान से पीड़ित व्यक्तियों में, धर्म, मूलवंश या जाति या उनमें से किसी भी आधार पर कोई भेद-भाव किए बिना किया गया है ।

2. यह अधिसूचना 2 मार्च, 1978 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगी ।

[सं 337/77-के०उ०शु०]

ए० एस० मिश्र, अवसर सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977